



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3 —उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 133]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 1, 2000/फाल्गुन 11, 1921

No. 133 ]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 1, 2000/PHALGUNA 11, 1921

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 1 मार्च, 2000

**का. आ. 184 (अ).—**भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इसमें इसके पश्चात् 'बोर्ड' के रूप में निर्दिष्ट), प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 16 की उप-धारा (1), उक्त अधिनियम की धारा 29क के अधीन जारी भारत सरकार की अधिसूचना सं. का. आ. 573 (अ) तारीख 30 जुलाई, 1992 और अधिसूचना सं. 183 (अ) तारीख 1 मार्च, 2000 के साथ पठित, द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह राय हो जाने पर कि संपूर्ण भारत में प्रतिभूतियों में अवांछनीय सट्टेबाजी को रोकने के लिए यह आवश्यक है, एतद्वारा घोषणा करता है कि राज्य क्षेत्र जिस तक उक्त अधिनियम का विस्तार होता है में कोई व्यक्ति, बोर्ड की अनुज्ञा के बिना, ऐसी हाजिर सौदा संविदा या नकदी अथवा दस्ती परिदान अथवा विशेष परिदान के लिए संविदा या व्युत्पन्नियों में संविदा जैसी उक्त अधिनियम या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) और ऐसे अधिनियमों के अधीन बनाये गए नियमों तथा विनियमों और मान्यताप्राप्त स्टाक एक्सचेंज के नियमों, विनियमों तथा उप-विधियों के अधीन अनुज्ञेय है से भिन्न प्रतिभूतियों के विक्रय या क्रय के लिए कोई संविदा नहीं करेगा:

परंतु यह कि सरकारी प्रतिभूतियों, स्वर्ण संबंधित प्रतिभूतियों, मुद्रा बाजार प्रतिभूतियों और ऋण प्रतिभूतियों में तुरंत अग्रिम संविदाओं, मान्यताप्राप्त स्टाक एक्सचेंज में की गयी, के विक्रय या क्रय के लिए कोई संविदाएँ,—

- (क) प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42), या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) के अधीन बनाये गए नियमों या विनियमों या उप-विधियों या उक्त अधिनियमों के अधीन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा जारी निदेशों;
- (ख) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) या बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) या विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (1973 का 46) के अधीन बनाये गए नियमों या जारी मार्गदर्शक सिद्धांतों या निदेशों;
- (ग) प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) के अधीन भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी अधिसूचनाओं में अंतर्विष्ट उपबंधों के अनुसार की जायेंगी।

[फा. सं. भाप्रविबो/विधि/3650/2000]

देवेन्द्र राज मेहता, अध्यक्ष

## SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

## NOTIFICATION

Mumbai, the 1st March, 2000

**S. O. 184(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 16 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), read with Government of India notification no. S. O. 573(E) dated 30th July, 1992 and notification no. 183 (E) dated 1st March, 2000 issued under section 29A of the said Act, the Securities and Exchange Board of India (hereinafter referred to as 'the Board') being of the opinion that it is necessary to prevent undesirable speculation in securities in the whole of India, hereby declare that no person in the territory to which the said Act extends, shall, save with the permission of the board, enter into any contract for sale or purchase of securities other than such spot delivery contract or contract for cash or hand delivery or special delivery or contract in derivatives as is permissible under the said Act or the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) and the rules and regulations made under such Acts and rules, regulations and bye-laws of a recognised stock exchange :

Provided that any contracts for sale or purchase of government securities, gold related securities, money market securities and ready forward contracts in debt securities entered into on the recognised stock exchange shall be entered into in accordance with,—

- (a) the rules or regulations or the bye-laws made under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), or the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) or the directions issued by the Securities and Exchange Board of India under the said Acts;
- (b) the rules made or guidelines or directions issued under the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) or the Banking Regulations Act, 1949 (10 of 1949) or the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973) by the Reserve Bank of India;
- (c) the provisions contained in the notifications issued by the Reserve Bank of India under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956).

[F. No. SEBI/ LE/ 3650/2000]

D. R. MEHTA, Chairman